0

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड | 5 | 1 | 2 | परीक्षा का विषय संस्कृत

2. परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी परीक्षा की दिनांक 03/03/2009

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर

कोड	सेट
T-1006	B

केन्द्र क्रमांक की सील

हाई स्कूल परीक्षा

212023

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	2	1	2	5	7	8	1

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों उसी क्रम में शब्दों में लिखे जाए :–

One	Nine	[illegible]

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 10 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

B S E M P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम Alul Bhatt पद SS-167

पता / संस्था Simra Bhusty

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सही पाई गई है। होलोक्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक..........................

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक..........................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोर्ड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाएें मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 3 के अंक	=	कुल अंक

मध्यप्रदेश

पृश्न-1

(i) गुण स्वर सन्धिः

(ii) सच्छीलः

(iii) विसर्ग सन्धि:

(iv) वृद्धि स्वर सन्धिः

पृश्न-2

(i) अव्ययी भाव समास:

(ii) अग्निदग्धः

(iii) हरिश्च हरश्च

पृश्न-3

(i) साधु - तृतीया विभक्ति

साधुना	साधुभ्याम्	साधुभिः

(ii) युष्मद् - षष्ठी विभक्ति

तव	युवयोः	युष्माकम्

(iii) किम् (पु.) पञ्चमी विभक्ति

कस्मात्	काभ्याम्	कस्माभ्यः केभ्यः

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का यो

(v) पितृ - सप्तमी विभक्ति

पितरि	पित्रोः	पितृषु

प्रश्न-५ (i)

(अ) अद्य कुशलं, तत्रास्तु ।

(स) सः शनैः-शनैः चलति ।

(ii) प्रति

(iii) अस्ति

प्रश्न-5

(क) लृट लकारः

(ख) वृत्

(ग) प्रथम / अन्य पुरुष

(घ) एकवचन

प्रश्न-6 (i) आम्

(ii) आम्

(iii) आम्

(iv) न

BSEMP

[ ] + [ ] = [ ]

योग पृ० १-३ | पृष्ठ 5 के अंक | पूर्ण अंक

प्रश्न-7

(क) याचमान

(ख) पृच्छ्य

(ग) (ii) कुर्वन्

(iii) गतवान्

प्रश्न-8

मार्कण्डेय: - गङ्गातीरे

मित्रम् - प्रीतिरसायनम्

छत्रसालस्य राजधानी - पन्ना नगरम्

कालगणना - खगोलशास्त्रम्

प्रश्न-9

(i) सत्रे

(ii) साधकं

(iii) पुरातनकालादेव

(iv) सप्तहोता

प्रश्न-10

(i) शत्रुघ्नस्य

(ii) नयनम्

(iii) समुद्रः

(iv) वृक्षः

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

प्रश्न-11

(i) मैक्समूलरः संस्कृतविषये उक्तवान् यत् - "संस्कृतं विश्वस्य महत्तमा भाषा अस्ति।"

(ii) विद्यारत्नेन हीनः सर्ववस्तुषु हीनः।

(iii) वर्षाकाले प्रसरः निदाघदोषाः प्रशान्ताः भवन्ति।

प्रश्न-12

(i) अहं परश्वः पाठशालां गमिष्यामि।

(ii) कृष्णाय मोदकं रोचते।

(iv) सैनिकः अश्वात् पतति।

(v) त्वं जलं पास्यसि।

(vi) रामाय नमः।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न-13

(क)

(i) नद्यः वहन्ति ।

(ii) घनाः वर्षन्ति ।

(iii) मत्तगजाः नदन्ति ।

(iv) शिखिनः नृत्यन्ति ।

(v) वृषै-धातु

लट् - लकार

बहु - वचन

प्रथम - पुरुष

(ख) (i) चन्द्रोज्ज्वलाः हाराः पुरुषं न विभूषयन्ति ।

(ii) वाण्येका पुरुषं समलङ्करोति ।

(iii) भूषणानि खलु क्षीयन्ते ।

(iv) सततं भूषणं वाग्भूषणं अस्ति ।

(v) निरन्तरं इति सततं शब्दस्य समानार्थीपदं अस्ति

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

8

प्रश्न-14

(क)

(i) गङ्गातीरे मार्कण्डेयः वसति स्म ।

(ii) बहवः शिष्याः मार्कण्डेयस्य गुरुकुले आसन् ।

(iii) वासुदेवः मार्कण्डेयस्य प्रियशिष्यः आसीत् ।

(iv) गुरु शिष्यम् आहूय अवदत् यत् " शिष्य ! अधुना भवान् सर्वविद्यापारङ्गत अस्ति । अतः परं स्वग्रामे गन्तुम् अर्हति भवान् ।

(v) सर्वविद्यापारङ्गतः वासुदेवः अभवत् ।

(ख)

(i) सूर्यवंशस्य राजा सगरः आसीत् ।

(ii) सः एकदा अश्वमेधयागं कृतवान् ।

(iii) यागस्य अश्वः यत्र-तत्र सञ्चारं कृतवान् ।

(iv) देवेन्द्रः यागस्य विघ्नं कर्तुं मार्गं चिन्तितवान् ।

(v) इन्द्रः अश्वं गृहीत्वा पातालोके कपिल-मुनेः पुरतः स्थापितवान् ।

LSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्रश्न-15

(क) गङ्गातीरे मार्कण्डेयः नाम कश्चन मुनिः वसति स्म ।

(ख) वासुदेव: तस्य प्रियशिष्यः आसीत् ।

(ग) किञ्चिदद्वौ गतः वासुदेव: कश्चित् देवालयम् अपश्यत् ।

(घ) शिष्यः अनन्तरं रामनाथपुरं प्रति प्रस्थितवान् ।

(ङ) ततः वासुदेवः रामनाथपुरं प्राप्य रामदेवस्य गृहम् अगच्छत् ।

(च) मया रामदेवस्य जीवनम् एव अनुसरणीयम् ।

प्रश्न-16

(i) विद्या -धनम्

(ii) पशुः धर्म-अधर्मयोः विचारं कर्तुं न शक्नोति ।

(iii) विद्याविहीनः मानवः अन्धः एव इति कथ्यते ।

(iv) "विद्याहीनः मानवः पशुः इव । विद्यारत्नेन हीनः सर्ववस्तुषु हीनः ।" इति गद्यांशस्य सारं भवति ।

पृष्ठ के अंकों का योग

(v) विना योगे तृतीया विभक्ति भवति।

प्रश्न-17

(1) सुवर्ण

(2) परोपकारः

प्रश्न-18

(1) गङ्गा पापं शशी तापं दैन्यं कल्पतरूस्तथा।
पापं तापं च दैन्यं च घ्नन्ति सन्तोमहाशयाः॥

(2) क्षमाशस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं करिष्यति।
अतृणे पतितो वह्निः स्वयमेवोपशाम्यति॥

BSFNI

प्रश्न-19

छात्रवृत्यर्थम् आवेदनपत्रम्

श्रीमन्तः प्राचार्यमहोदयाः
सरोज कान्वेंट उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयः
टीकमगढ़, नगरम्, मध्यप्रदेशः

विषयः – छात्रवृत्ति प्रदानार्थम् आवेदनम् ।

महोदयाः,

अहं सविनयं निवेदयामि यत् मम पितुः आर्थिकस्थितिः शोचनीया वर्तते। अहं शिक्षण-शुल्कम् अपि दातुम् असमर्था अस्मि। अतः मम कृते श्रीमन्तः छात्रवृत्तिं दापयन्तु इति प्रार्थये।

दिनाङ्कः 03/03/2009

विनयावता
राजुषः

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न- 20

संस्कृतभाषायाः महत्वम्

संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा अस्ति। इयम् भाषा एका सर्वोत्तम संयुक्ता साहित्य भाषा अस्ति। इयम् व्याकरण सम्बन्धि - दोषादिरहिता परिशुद्धा परिष्कृता चास्ति। प्राचीनकाले संस्कृत भाषा एव सर्वसाधारण जनानां भाषासीत्। सर्वैः जनाः संस्कृत भाषामेव वदन्ति स्म। पुरा एषा एव अस्माकं पूर्वजनानाम् आशाणां च वाणी आसीत्। संस्कृतभाषायाः एव विश्वसर्वप्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाः अस्ति। भास- कालिदास- अश्वघोष - बाणादयः प्रभृतयो महा कवयो नाटकाराश्च संस्कृतभाषायाः एव। जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगः भवति।

संस्कृत सर्वाणां भाषाणां जननी। इयम् भाषा "देववाणी" अपि कथ्यते। संस्कृत भाषा न केवलं विश्वस्य प्राचीनतमा अपितु वैज्ञानिकी भाषा अप्यस्ते।

संस्कृतविषये -

महात्मागाँधी अवदत् - "यत् संस्कृतम् अस्माकं भारतीयभाषाभ्यः गङ्गा नदी अस्ति। अहं चिन्तयामि यत् यदि संस्कृतगङ्गा शुष्का भवेत् तर्हि सर्वाः अपि भाषाः सारहीनाः स्युः।

मैक्समूलरः कथितवान् यत् "संस्कृतं विश्वस्य महत्तमा भाषा अस्ति"

B S E M P

] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ पृ अंक

प्रथमः राष्ट्रपतिः डॉ राजेन्द्रप्रसादः "संस्कृतसाहित्यं न केवलं भारतस्य कृते अपितु मानवजातेः कृते अमूल्यधनम् अस्ति।"

अधुनाऽपि सङ्गणकस्य कृते संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति। संस्कृत भाषा भारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति, राष्ट्रस्य ऐक्यं च साधयति। भारतीय गौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारश्च सर्वैरेव कर्तव्यः। अतः उच्यते "संस्कृतिः संस्कृताश्रिता"

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(18)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

20

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

22

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(24)

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 24 के अंक	=	कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग